रामघाट को फिर भव्यता देने में जुटा शासन-प्रशासन

सीएम के निर्देश पर छह प्रमुख सचिवों ने रामघाट का लिया जायजा, संतों-व्यापारियों से संवाद कर जानी समस्याएं

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 9 सितम्बर। मंदाकिनी में आई भीषण बाढ़ से चित्रकूट में हुए व्यापक नुकसान के बाद अब शासन ने पुनर्वास और पुनर्निर्माण की कवायद तेज कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के छह वरिष्ठ प्रमुख सचिवों का दल चित्रकूट पहुंचा।

अधिकारियों ने रामघाट पहुंचकर बाढ़ से हुए नुकसान का स्थलीय जायजा लिया और संतों तथा व्यापारियों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं।प्रमुख सचिव पर्यटन अमृत अभिजात, प्रमुख सचिव नगर विकास पी. गुरु, प्रमुख सचिव राहत ऋषिकेश भास्कर यशोद, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग अजय चौहान, प्रमुख सचिव पशुधन मुकेश मिश्रम और प्रमुख सचिव सिंचाई अमित गर्ग ने रामघाट का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने बाढ़ के तेज बहाव से घाटों, आसपास के क्षेत्रों और व्यापारिक गतिविधियों को हुए नुकसान की जानकारी ली तथा संबंधित विभागों को क्षति का शीघ्र आकलन कर राहत और पुनर्निर्माण कार्यों को गति देने के निर्देश दिए।

प्रमुख सचिवों ने कहा कि मुख्यमंत्री की चित्रकूट में हुई बाढ़ की तबाही पर विशेष नजर है। शासन का लक्ष्य प्रभावित लोगों को जल्द राहत देने के साथ रामघाट और अन्य क्षतिग्रस्त क्षेत्रों को पहले से अधिक भव्य और दिव्य स्वरूप देना है। इसके लिए विभागवार कार्ययोजना तैयार कर जिम्मेदारियां तय की जा रही हैं। कहा कि बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई, राहत कार्य और रामघाट के सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता दी जाएगी।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कार्यपालन यंत्री रा.रा. से की मुलाकात

नवभारत न्यूज

रामपुर बाघेलान 9 सितम्बर। सतना - बेला रोड की दुर्दशा को लेकर जिला कांग्रेस के महामंत्री रोहित कांत सिंह, ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष संदीप सिंह परिहार, जनपद सदस्य विमलेश तिवारी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रामपुर बघेलान नितिन सिंह, परीक्षित पाठक ने रा रा के कार्यपालन यंत्री से मुलाकात कर इस रोड के पुनर्निर्माण के संबंध में विस्तृत चर्चा की।

रोहित कांत सिंह ने सर्विस रोड, सबवे पर जलभराव के संबंध में, वृक्षारोपण,संकेतक एवं रोड के सरफेस के संबंध में अधिकारियों से चर्चा कर गुरवतापूर्ण निर्माण के लिए आग्रह किया। पुराने धरना प्रदर्शन एवं कलेक्टर द्वारा एनएचएआई को टोल शुल्क वसूली स्थगन के लिए पत्र लिखे जाने के बाद भी अभी तक टोल शुल्क वसूली स्थगित ना किए जाने को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी।

चंदवार पंचायत में बिलों का खेल साफ नहीं, फिर भी हो गया भुगतान!

जनपद पंचायत रामनगर का मामला, जांच होने पर हो सकता है गड़बड़ी का खुलासा

नवभारत न्यूज

बड़ा इटमा 9 सितम्बर। जनपद रामनगर क्षेत्र की ग्राम पंचायत चंदवार में विकास कार्यों को लेकर सवाल उठ रहे हैं अब पंचायत के बिल-बट्टों चर्चा में हैं।

गांव में काम कितना हुआ और खर्च कितना दिखाया गया, यह तो जांच का विषय है, लेकिन अब जो बिल सामने आ रहे हैं, उन्होंने पंचायत और जनपद के जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं ।बताया जा रहा है कि पंचायत के कुछ बिल और रसीदें ऐसी हैं, जिनमें जरूरी जानकारी तक साफ-साफ दिखाई नहीं दे रही। कागज पर क्या लिखा है, कितना सामान खरीदा गया, किससे खरीदा गया और कितने रुपये का भुगतान हुआकई जगह यह सब स्पष्ट नजर नहीं आता। लेकिन हैरानी की बात यह है कि जब बिल ही साफ नहीं है तो भुगतान साफ-साफ कैसे हो गया? अब ग्रामीणों के बीच यही चर्चा है कि पंचायत के बिल पास करने के लिए क्या सिर्फ कागज लगाना ही काफी है, या बिल की जांच भी होती है? अगर जांच होती है तो फिर धुंधले और अस्पष्ट बिल जिम्मेदार अधिकारियों की नजर से कैसे निकल गए सवाल सीधे जनपद पंचायत रामनगर के जिम्मेदार कर्मचारियों से है आखिर इन बिलों को किस आधार पर पास किया गया? क्या बिल की सत्यता और स्पष्टता की जांच की गई? क्या भुगतान से पहले मूल बिल और रसीदों का मिलान हुआ और अगर सब कुछ नियम के मुताबिक हुआ है, तो फिर इन अस्पष्ट बिलों की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?

मामला सिर्फ एक बिल का नहीं है। सरकारी पैसा जनता का पैसा है, इसलिए उसके खर्च का हिसाब भी उतना ही साफ होना चाहिए जितना आम जनता के एक छोटा सा काम के लिए कागज साफ होता है उसी तरह साफ बिल होना चाहिए। अब जरूरत है कि ग्राम पंचायत चंदवार के संबंधित भुगतान और बिलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। यदि बिल सही हैं तो जिम्मेदार अधिकारी सामने आकर स्थिति स्पष्ट करें और यदि नियमों की अनदेखी हुई है तो जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। फिलहाल चंदवार पंचायत में सवाल एक ही है जब बिल साफ नहीं दिख रहा था, तो भुगतान इतना साफ कैसे हो गया

ग्रामीणों ने भारी मात्रा में पकड़ी अंग्रेजी,देशी शराब और बीयर , आरोपी फरार

मौके पर पहुंच कर पुलिस ने की कार्रवाई, शराब के खिलाफ सेमरवारा उत्थान समिति का अभियान शुरू

नवभारत न्यूज

नागौद 9 सितम्बर। सेमरवारा उत्थान समिति ने 20 अगस्त को शराब बंदी अभियान की शुरुआत का बकायदा पंचायत में प्रस्ताव डाला गया। पैकारी के माध्यम से शराब सप्लाई कर रहे ठेकेदारों को भी चेतावनी जारी की गई थी। फिर भी ठेकेदार की मिलीभगत से सेमरवारा ,इटमा , बाबूपुर आदि ग्रामों में शराब सप्लाई चुपके से हो रही थी।

समिति को सूचना मिली सेमरवारा पंचायत के भटवा टोला में निवासरत भूपेंद्र सेन उर्फ भइया सेन अवैध तरीके से शराब बेचता है एवं आसपास पेटियां सप्लाई करता है। मौके पर समिति की महिला अध्यक्ष संतरा बाई लोधी सहित कई महिलाओं एवं समिति के सदस्यों के साथ पूर्व सरपंच विष्णु प्रताप प्रतिनिधि जिलापंचायत सदस्य , अनिल कुमार लोधी जनपद सदस्य, जगतराज लोधी पिछड़ावर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष सेमरवारा मंडल साथ पहुंचे जहां भूपेंद्र के घर से 51 पाव गोवा , प्रिंस देसी शराब 7, लीमाउंट बियर 4 नग , 13 लीटर कच्ची शराब बरामद किया गया और तत्काल थाना प्रभारी को सूचना दी गई जहां पुलिस दलबल के साथ पहुंची और सर्च ऑपरेशन किया। उपरोक्त शराब की जब्ती बनाकर थाने ले गए।

भूपेंद्र सेन फिलहाल मौका ए वरदाता से फरार है। उसकी पत्नी ने पुलिस टीम को बताया कि रावेंद्र लोधी पिता निर्भय लोधी कुछ देर पहले ही 2 पेटी गोवा शराब लेकर गया है। हालांकि पुलिस टीम ने वहां भी छापा मारा लेकिन कार्यवाही की सूचना मिलते ही माल सहित रविंद गायब हो गया। सेमरवारा उत्थान समिति ने पुलिस के इस शराब बंदी सहयोग के लिए थाना प्रभारी नागौद मनोज सोनी एवं उनकी टीम का धन्यवाद दिया।

क्षतिग्रस्त पुलिया पर बनाई गई आरसीसी रोड बारिश में बही

ताजी मिट्टी डालने से डायवर्सन रोड़ भी खतरे से खाली नहीं, आवागमन ठप्प

नवभारत न्यूज

कोठी 9 सितम्बर। झाली चौराहे से वार्ड क्रमांक एक के जाने वाले रास्ते में जहां पर विद्युत विभाग ,वन, कृषि उपज मंडी एवं वृंदावन आश्रम के साथ-साथ कई अन्य गांव के जाने का मार्ग है यहां पर चौराहे से 100 मीटर की दूरी पर एक पुलिया बनी थी जो काफी पुरानी हो गई थी जो पिछले दिनों क्षतिग्रस्त हो गई परंतु उसके ऊपर आरसीसी रोड बना दी गई थी ।

जिसके क्षतिग्रस्त होने का समाचार हमारे समाचार पत्र पर 21 जुलाई के अंक में प्रकाशित किया गया था फिर भी जिम्मेदारों ने समय रहते ध्यान नहीं दिया जिसकी बदौलत पिछले दिनों बाढ़ में यह पुलिया पूरी तरह बह गई और आरसीसी सड़क हवा में लटकने लगी और वहां पर विशालकाय गड्ढा हो गया जिससे आवागमन पूरी तरह बंद हो गया जिसके बाद नगर परिषद द्वारा डायवर्सन बनाने का काम शुरू किया गया जिससे रास्ता पूरी तरह मटिया मेट हो गया पिछले दिनों पुराने आवासीय विद्यालय के गिराए गए मलबे को उसे गड्ढे में डाल दिया गया साथ ही मिट्टी भी डाल दी गई जिससे जरा सी ही बारिश में सारे रास्ते पर कीचड़ हो जाता है और लोगों को पैदल चलना ही दुश्वार हो जाता है । हालांकि अभी भी वहां काफी मिट्टी डाली जाना शेष है क्योंकि जिस प्रकार से

अभी मिट्टी पड़ी है उससे अभी खतरा बरकरार है क्योंकि बड़े वाहन तो निकल ही नहीं सकते साथ ही कोई गंभीर दुर्घटना भी घट सकती है क्योंकि अगल-बगल काफी कटान है साथ ही पुलिया के बगल से बने हुए मुक्तिधाम का भी काफी हिस्सा बह गया है जिससे खतरा और अधिक बढ़ गया है नगर परिषद को संजीदगी से लेते हुए विशेष रूप से कार्य किए जाने की आवश्यकता है भले ही अभी पुलिया पर डायवर्सन का कार्य किया जा रहा है क्योंकि मिट्टी भी नहीं खरीदनी पड़ रही मात्र 50 मीटर के दायरे में मलवा नगर परिषद का पड़ा हुआ है उसी को डालना है साथ ही ऊपर से मुरूम और गिट्टी को सही तरीके से डलवाए जाने की आवश्यकता है जिससे बड़े वाहनों का भी आवागवन चल हो सके क्योंकि इसमें वर्ल्ड वासियों को तो आने-जाने में दिक्कत है ही परंतु सबसे अधिक परेशानी कोठी के विद्युत विभाग को हो रही है विद्युत विभाग के प्रभारी हेमराज सेन ने बताया की पुलिया शुरू न हो पाने से कोई भी वाहन नहीं आ जा पा रहे हैं और भीषण बारिश में ऑफिस का सामान भी काफी बुरी तरह प्रभावित हुआ है यहां तक की कंप्यूटर वगैरा भी सही तरीके से कार्य नहीं कर पा रहे हैं साथ ही अन्य सामग्री भी पानी आ जाने की वजह से प्रभावित हुई है जिसके लिए सामान मंगवाया गया है परंतु रास्ता न होने की वजह से वह कार्यालय तक नहीं आ पाता और जिससे कई कार्य प्रभावित हो रहे हैं विद्युत विभाग के प्रभारी हेमराज सेन ने नगर परिषद से आशा व्यक्त की है कि इस मार्ग को सही तरीके से तत्काल शुरू कराया जाए जिससे अन्य कार्य प्रभावित न हो और वाहनों की आवाजाही हो सके।

एक नजर में

कर्मचारी संघ ने मांगों को लेकर एस डी एम को सौंपा ज्ञापन

रामपुर बाघेलान। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर प्रदेश के कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों और मुख्यमंत्री महोदय जी द्वारा की गई कर्मचारी हितैषी घोषणाओं को लेकर ब्लॉक रामपुर बघेलान में 23 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री महोदय और मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन भोपाल को रामपुर बघेलान यस डी एम द्वारा दिया गया जिसमें मुख्य रूप से पुरानी पेंशन बहाली, ग्रेजुटी की सीमा केंद्र के समान 25 लाख, सेवा अवधि की गणना नियुक्ति दिनांक से करने, केंद्र के समान महंगाई भत्ता देने, टी ई टी परीक्षा निरस्त किए जाने,दो से अधिक संतान की बाध्यता समाप्त करने, लिपिक संवर्ग को मंत्रालय के समान समय मान वेतनमान दिए जाने, पंचायत सचिवों को पंचायत विभाग में संविलयन करने, आदि 23 मांगों का ज्ञापन ब्लाक अध्यक्ष रामबली सिंह एवं सचिव पुष्पराज सिंह के नेतृत्व में सौंपा गया। इस अवसर पर सुधीर कुमार निगम, देवेंद्र शुक्ल, प्राचार्य रावेंद्र सिंह, राजाराम वर्मा, मानव शुक्ल, प्रकाश नारायण ताम्रकार, संजय कुमार निगम, अभिलाष सिंह, मुकेश साकेत, राजेश सोनी, नलिनी निगम, शकुन प्रजापति, कमलेश वर्मा, ममता लोहार,राम सिया साकेत, कुंवर नारायण शुक्ल, अभयराज सिंह, राघवेन्द्र मिश्रा,दीपा सिंह, रेखा सिंह, बाल्मीक तिवारी, मुरलीधर तिवारी, आत्मा निगम, हेमलता, अभिनव सूर्यवंशी, जयवीर सिंह, राजकुमारी बुनकर, रामविलाप वर्मा छोटेलाल साकेत, सूर्यपाल सिंह, राजाराम, गरुण आदि शिक्षक गण उपस्थित रहे।

रनेही की बेटी मिष्टी सिंह ने नीट यूजी में पाई सफलता

कोठी। जिला सतना के कोठी थाना अंतर्गत ग्राम रनेही निवास राकेश सिंह

चंदेल की सुपुत्री कु. मिष्टी सिंह ने हश्वश्वझ ल परीक्षा में (589) नंबर के साथ सफलता प्राप्त कर अपने ग्राम एवं जिले का नाम रोशन कर किया है, कु. मिष्टी सिंह का चयन MBBS पाठ्यक्रम के लिए बुलंदशहर स्थित मेडिकल कॉलेज में हुआ है, जहाँ से वे शीघ्र ही अपनी चिकित्सा शिक्षा प्रारंभ करेंगी, कुमारी मिस्टी सिंह इसके लिए कड़ी मेहनत कर इस मुकाम को हासिल किया है उन्होंने इसका श्रेय अपने माता-पिता सहित अपने चाचा अनुराग सिंह गोल्डी को विशेष रूप से दिया है मिस्टी के चाचा अनुराग गोल्डी इन दिनों दिल्ली भाजपा प्रदेश की युवा कार्यकारिणी में प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर हैं और समाज सेवा का कार्य करते हैं साथ ही छात्रों की पढ़ाई में भी विशेष रूप से सहयोग प्रदान करते हैं ।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने मंदाकिनी घाट पर चलाया स्वच्छता अभियान

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने आज कार्यक्रम अधिकारी डॉ. उमेश कुमार शुक्ला के नेतृत्व में स्फटिक शिला एवं मां मंदाकिनी घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया। विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर घाट एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की तथा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान में रवि शंकर रैकवार, सिवानी बागरी, साधना सिंह, दुर्गेश मिश्रा, प्राण शूलोधी, सोनाली सिंह सहित अन्य स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इन स्वयंसेवकों ने कहा कि धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना समाज के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी है।

घरेलू सिलेंडरों की कालाबाजारी चरम पर, आम जनता बेहाल

नवभारत न्यूज

बिरसिंहपुर 9 सितम्बर। जिले की बिरसिंहपुर तहसील में गुरु कृपा गैस एजेंसी की मनमानी और धांधली से नगरवासी और ग्रामीण बेहद त्रस्त हैं।

एजेंसी द्वारा आम उपभोक्ताओं के हक के घरेलू एलपीजी सिलेंडर ऊंचे दामों में अवैध रूप से होटलों, ढाबों और ठेले वालों को बेचे जा रहे हैं। व्यावसायिक स्थलों पर गैर-कानूनी तरीके से घरेलू सिलेंडरों का अंबार लगा है, जबकि दूर-दराज के गांवों से अपनी गृहस्थी चलाने के लिए सिलेंडर लेने आने वाले गरीब नागरिकों को खाली हाथ लौटाया जा रहा है। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों

पर व्यावसायिक के बजाय घरेलू सिलेंडरों का यह धड़ल्ले से इस्तेमाल न केवल कालाबाजारी को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि किसी बड़े हादसे को भी न्यौता दे रहा है।

इतना ही नहीं, घनी आबादी वाले बस स्टैंड के ठीक बगल में और मोबाइल नेटवर्क टावर के पास स्थित एजेंसी का गोदाम सुरक्षा मानकों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहा है, जिससे हर वक्त एक भयंकर अप्रिय घटना का खतरा मंडराता रहता है।

इस गैस माफिया के खुले शोषण और प्रशासनिक अनदेखी से स्थानीय जनता में भारी आक्रोश है। नगरवासियों की प्रशासन से पुरजोर मांग है कि इस धांधली की तत्काल निष्पक्ष जांच कराकर दोषी एजेंसी पर कठोरतम कार्रवाई की जाए तथा बिरसिंहपुर में अविलंब एक नई गैस एजेंसी स्वीकृत की जाए, ताकि जनता को इस एकाधिकार और शोषण से स्थायी मुक्ति मिल सके।

चित्रकूट के बाढ़ पीड़ितों और किसानों को मुआवजा दे सरकार : द्विवेदी

नवभारत न्यूज

मझगवां 9 सितम्बर। चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र में अतिवृष्टि और बाढ़ से किसानों को हुए भारी नुकसान को लेकर अखिल भारतीय किसान कांग्रेस ने सरकार और प्रशासन से तत्काल किसानों की फसलों का सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव आशुतोष द्विवेदी ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि प्राकृतिक आपदा ने क्षेत्र के किसानों की कमर तोड़ दी है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि किसानों की बर्बाद हुई फसलों का अभी तक विधिवत सर्वे तक नहीं कराया जा रहा है। आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि चित्रकूट क्षेत्र के अनेक गांवों में लगातार हुई भारी बारिश और बाढ़ के कारण खेतों में खड़ी फसलें पानी में डूब गईं।

कई स्थानों पर खेतों में कई दिनों तक पानी भरा रहने के कारण फसलें पूरी तरह सड़कर नष्ट हो गई हैं। किसानों को इस वर्ष अच्छी पैदावार की उम्मीद थी।

बीच सड़क पर खड़ा बिजली का मौत का खम्भा

नवभारत न्यूज

रामनगर 9 सितम्बर । मैहर जिले के रामनगर में सौंदर्यीकरण कार्य में बिजली विभाग की मनमानी भारी पड़ रही है। थाना चौक से लेकर अस्पताल रोड तक नाली और पेवरमेंट निर्माण का काम बीच सड़क पर खड़े इलेक्ट्रिक पोल के कारण रोकना पड़ा है।

अस्पताल रोड में मुख्य मार्ग पर ही बिजली का पोल खड़ा है। नगर परिषद द्वारा थाना चौक से अस्पताल तक सौंदर्यीकरण के तहत सीसी रोड, फुटपाथ और नाली का निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन बिजली विभाग ने अभी तक पोल शिफ्टिंग का कार्य नहीं किया है। जिसके चलते खम्भे के बीच से ही स?क निर्माण हो गया वही अन्य निर्माण कार्य प्रभावित है। रात के समय तो यह पोल और भी खतरनाक हो जाता है। तस्वीर में साफ दिख रहा

है कि सड़क के किनारे लगे सौंदर्यीकरण के पोल की लाइट के पास ही मुख्य सड़क पर बिजली का खम्भा खड़ा है। रात में दूर से अंदाजा नहीं लगता और तेज रफ्तार वाहन सीधे खम्भे से टकरा सकते हैं।

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा -स्थानीय लोगों का कहना है कि इस रोड से रोजाना अस्पताल जाने वाले मरीज, छात्र और ग्रामीण गुजरते हैं।

एनजीटी की गाइडलाइन के सवाल पर प्रभारी मंत्री ने साधी चुप्पी

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 9 सितंबर चित्रकूट की मां मंदाकिनी गंगा प्रमुख कारण नदी के किनारे एनजीटी की गाइडलाइन के तहत 50 से 150 मीटर के दायरे में हुए निर्माण कार्य बताया जाता है आम जनमानस का कहना है।

चित्रकूट मां मंदाकिनी गंगा किनारे भाजपा की सरकार द्वारा मंदाकिनी किनारे कंक्रीटरोड का निर्माण कराया गया था जो एनजीटी गाइडलाइन के विपरीत था इसी निर्माण के चलते लोगों ने मंदाकिनी गंगा तट पर अपने.अपने मकान भी बना लिए थे जिससे मंदाकिनी का दायरा छोटा पड़ गया इसी सवाल को लेकर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय

से सवाल किया गया तो वह बिना स्पष्ट जवाब दिए आगे बढ़ गए। वहीं नदी किनारे अतिक्रमण और नए निर्माण को लेकर उन्होंने कहा कि गाइडलाइन आने के बाद इस क्षेत्र में निर्माण नहीं होने दिया जाएगा। मंत्री के इस बयान के बाद सवाल खड़ा हो रहा है कि जो निर्माण पहले ही नदी किनारे होटल भवन और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के रूप में खड़े हो चुके हैं।

उनका क्या होगा क्या केवल भविष्य में होने वाले निर्माण रोकने की बात कह कर पुराने निर्माणों को राहत दी जाएगी मंदाकिनी नदी चित्रकूट की पहचान और धार्मिक आस्था का केंद्र है। ऐसे में नदी के प्राकृतिक स्वरूप और उसके किनारे लगातार बढ़ते निर्माण को लेकर स्थानीय स्तर पर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। अब मंत्री द्वारा पुराने निर्माणों पर स्पष्ट जवाब नहीं दिए जाने से यह सवाल और गहरा गया है कि नदी किनारे होटल तान कर मंदाकिनी का स्वरूप बिगाड़ने वालों को आखिर किसका सहारा मिला हुआ है